UPSSSC PET PYQ · Unseen Hindi Passage Analysis

100 authentic questions from the 10 PET shifts that actually tested this syllabus section (2021–2023).

Original question screenshots are retained to preserve every graph, table, Hindi passage, question, and option exactly as printed.

Coverage: 10 official PET shifts · 100 authentic PYQ questions.

UPSSSC PET 2021 · 24 Aug · Shift 1

Unseen Hindi passage analysis · 10 questions from this shift

निर्देश : निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उस पर आधारित प्रश्नों **(71-75)** के उत्तर चुनिए :

धरातल से युद्ध की विभीषिकाओं को सदा–सदा के लिए समाप्त करने के लिए गाँधीजी ने विश्व को अहिंसा रूपी अस्त्र प्रदान किया । गाँधीजी कहा करते थे कि प्रेम और अहिंसा के द्वारा विश्व के कठोर से कठोर हृदय को भी कोमल बनाया जा सकता है । उन्होंने इन सिद्धान्तों का परीक्षण भी किया और वे 'नितान्त' सफल सिद्ध हुए । हिंसा से हिंसा बढ़ती है, 'घृणा', घृणा को जन्म देती है और प्रेम से प्रेम की अभिवृद्धि होती है । अतः यह निश्चित है कि बिना प्रेम और अहिंसा के विश्व में शान्ति स्थापित नहीं हो सकती । शान्ति के अभाव में मानव जाति का विकास सम्भव नहीं । प्रत्येक राष्ट्र का स्वर्णिम–युग वही कहा जाता है, जबकि वहाँ पूर्ण शांति और सुख रहा हो तथा उत्तमोत्तम रचनात्मक कार्य किए जाते हों । भौतिक दृष्टि से व्यापार और कृषि की उन्नति भी शांतिकाल में ही सम्भव होती है, अतः हम यदि विश्व का कल्याण चाहते हैं तो हमें युद्ध का बहिष्कार करना ही होगा । अहिंसा और प्रेम की भावना से विश्व में शान्ति स्थापित करनी होगी, तभी विश्व में सुखमय एवं शांतिमय राज्य की स्थापना सम्भव होगी ।

71. विश्व में शांति क्यों आवश्यक है ?

(A) मानव जाति के विकास के लिए

(B) उत्तमोत्तम रचनात्मक कार्य के लिए

(C) व्यापार और कृषि की उन्नति के लिए

(D) कठोर से कठोर हृदय को भी कोमल बनाने के लिए

72. विश्व शांति की स्थापना के लिए सबसे आवश्यक है

(A) हिंसा और भय

(B) अहिंसा और प्रेम

(C) आत्मीयता और समीपता

(D) परिश्रम और ज्ञान

73. कठोर से कठोर हृदय को भी कोमल बनाया जा सकता है

(A) सत्य पालन द्वारा

(B) मौन पालन द्वारा

(C) अहिंसा द्वारा

(D) भय द्वारा

74. किसी भी राष्ट्र के स्वर्णिम–युग के प्रमुख तत्त्व हैं

(A) धन और वैभव

(B) धन और सम्मान

(C) आध्यात्म और उपासना

(D) शान्ति, सुख और रचनात्मक कार्य

75. 'नितान्त' शब्द का उपयुक्त पर्याय है

(A) भलीभाँति

(B) बिलकुल

(C) विधिवत्

(D) निम्न

Source screenshot · PDF page 11

निर्देश : निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उस पर आधारित प्रश्नों **(76-80)** के उत्तर चुनिए :

विज्ञान आज के मानव-जीवन का अविभाज्य एवं घनिष्ठ अंग बन गया है । मानव-जीवन का कोई भी क्षेत्र विज्ञान के अश्रुतपूर्व आविष्कारों से अछूता नहीं रहा । इसी से आधुनिक युग विज्ञान का युग कहलाता है । आज विज्ञान ने पुरुष और नारी, साहित्यकार और राजनीतिज्ञ, उद्योगपति और कृषक, पूँजीपति और श्रमिक, चिकित्सक और सैनिक, अभियन्ता और शिक्षक तथा धर्मज्ञ और तत्त्वज्ञ सभी को और सभी क्षेत्रों में किसी न किसी रूप में अपने अप्रतिम प्रदेय से अनुगृहीत किया है । आज समूचा परिवेश विज्ञानमय हो गया है । विज्ञान के चरण गृहिणी के रसोईघर से लेकर बड़ी-बड़ी प्राचीरों वाले भवनों और अट्टालिकाओं में ही दृष्टिगत नहीं होते, प्रत्युत वे स्थल और जल की सीमाओं को लाँघकर अन्तरिक्ष में भी गतिशील हैं । वस्तुतः विज्ञान अद्यतन मानव की सबसे बड़ी शक्ति बन गया है । इसके बल से मनुष्य प्रकृति और प्राणिजगत का शिरोमणि बन सका है । विज्ञान के अनुग्रह से वह सभी प्रकार की सुविधाओं और सम्पदाओं का स्वामित्व प्राप्त कर चुका है । अब वह ऋत-ऋतुओं के प्रकोप से भयाक्रांत एवं संत्रस्त नहीं है । विद्युत ने उसे आलोकित किया है, उष्णता और शीतलता दी है, बटन दबाकर किसी भी कार्य को सम्पन्न करने की ताकत भी दी है । मनोरंजन के विविध साधन उसे सुलभ हैं । यातायात एवं संचार के साधनों के विकास से समय और स्थान की दूरियाँ बहुत कम हो गई हैं और समूचा विश्व एक परिवार-सा लगने लगा है । कृषि और उद्योग के क्षेत्र में उत्पादन की तीव्र वृद्धि होने के कारण आज दुनिया पहले से अधिक धन-धान्य से सम्पन्न है । शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में विज्ञान की देन अभिनन्दनीय है । विज्ञान के सहयोग से मनुष्य धरती और समुद्र के अनेक रहस्य हस्तामलक करके अब अन्तरिक्ष लोक में प्रवेश कर चुका है । सर्वोपरि, विज्ञान ने मनुष्य को बौद्धिक विकास प्रदान किया है और वैज्ञानिक चिन्तन-पद्धति दी है । वैज्ञानिक चिन्तन-पद्धति से मनुष्य अन्धविश्वासों और रूढ़ि-परम्पराओं से मुक्त होकर स्वस्थ एवं संतुलित ढंग से सोच-विचार कर सकता है और यथार्थ एवं सम्यक जीवन जी सकता है । इससे मनुष्य के मन को युगों के अन्धविश्वासों, भ्रमपूर्ण और दकियानूसी विचारों, भय और अज्ञानता से मुक्ति मिली है । विज्ञान की यह देन स्तुत्य है । मानव को चाहिए कि वह विज्ञान की इस समग्र देन को रचनात्मक कार्यों में सुनियोजित करे ।

76. विज्ञान मानव की सबसे बड़ी शक्ति इसलिए कही गई है क्योंकि इसके बल से मनुष्य

(A) विद्युत शक्ति का स्वामी है ।

(B) प्रकृति और प्राणिजगत का सिरमौर है ।

(C) सभी भौतिक सुविधाओं से सम्पन्न है ।

(D) अन्तरिक्ष के क्षेत्र में हस्तक्षेप कर सकता है ।

77. वैज्ञानिक चिन्तन-पद्धति ने मनुष्य का सबसे बड़ा उपकार यह किया है कि उसे मुक्ति मिली है

(A) सन्तुलित अनुचिन्तन से

(B) पुरानी शिष्ट औपचारिकताओं से

(C) भ्रमपूर्ण रूढ़िवादी विचारणा से

(D) प्राचीन सांस्कृतिक परम्पराओं से

78. विश्व के परिवारवत् लगने का प्रमुख कारण है

(A) यातायात एवं संचार साधनों का विकास

(B) विज्ञान की गतिशील शक्तियाँ

(C) विज्ञान की जीवन से घनिष्ठता

(D) विश्व-बन्धुत्व की भावना का विकास

79. 'हस्तामलक' शब्द से अभिप्रेत है

(A) अस्पष्ट परन्तु सायास बोधगम्य

(B) पास में रखे आँवले की तरह

(C) हाथी के लिए आँवले की तरह

(D) स्पष्ट और अनायास बोधगम्य

80. 'वैज्ञानिक-चिन्तन' पदबंध से आशय है

(A) परम्परागत चिन्तन

(B) भावात्मक चिन्तन

(C) वैज्ञानिकों द्वारा किया गया चिन्तन

(D) स्वस्थ एवं सन्तुलित चिन्तन

Source screenshot · PDF page 12

UPSSSC PET 2021 · 24 Aug · Shift 2

Unseen Hindi passage analysis · 10 questions from this shift

68. प्रसिद्ध नबकालेबारा उत्सव इनमें से किस राज्य से सम्बद्ध है ?

(A) केरल (B) बिहार

(C) राजस्थान (D) ओडिशा

The famous Nabakalebara festival belongs to which of the following states?

(A) Kerala

(B) Bihar

(C) Rajasthan

(D) Odisha

69. निम्न में से कौन सी एक हरितगृह गैस नहीं है ?

(A) मीथेन

(B) नाइट्रोजन

(C) कार्बन डाइऑक्साइड

(D) क्लोरोफ्लुओरोकार्बन (CFC)

Which of the following is not a green house gas ?

(A) Methane

(B) Nitrogen

(C) Carbon dioxide

(D) Chlorofluorocarbon (CFC)

70. अर्जुन पुरस्कार किसलिए दिए जाते हैं ?

(A) आपातकालीन स्थिति में विशिष्ट सेवा के लिए

(B) युद्ध में वीरता के लिए

(C) खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए

(D) विशिष्ट समाज सेवाओं के लिए

Arjuna Award is given for

(A) Exceptional service in emergency

(B) Bravery on battlefield

(C) Outstanding performance in sports

(D) Exceptional social services

निर्देश : निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उस पर आधारित प्रश्नों **(71-75)** के उत्तर चुनिए :

स्वतंत्रता संग्राम मनुष्य में उत्तम और स्पृहणीय विशेषताएँ पैदा करता है और भारतीय स्वातंत्र्य संग्राम भी इसका अपवाद नहीं है । महात्मा गाँधी के नेतृत्व में यह युद्ध बिना किसी ईर्ष्या–द्वेष तथा खून–खराबे के लड़ा गया था । गाँधीजी इसे सत्याग्रह कहते थे । इसके पीछे उनकी शिक्षा, धार्मिक आस्था तथा अन्य उपलब्धियों का उतना हाथ नहीं था जितना उनके सदाचरण और व्यवहार का । इस स्वातंत्र्य आंदोलन को स्मरण रखने का मुख्य कारण यह है कि यह जनतांत्रिक था अर्थात् इसमें देश के हर वर्ग और जाति के लोग सम्मिलित थे, चाहे वे धनी हों या गरीब, नर हों या नारी हों अथवा विभिन्न संप्रदायों के । इसके साथ ही यह एक धर्मनिरपेक्ष और स्वतंत्रता कर्मियों का संघर्षशील राष्ट्रीय आंदोलन था । स्वतंत्र भारत के नागरिक के रूप में हम आज जनतांत्रिकता और धर्म–निरपेक्षता का लाभ उठा रहे हैं । हम सोच नहीं सकते कि इतने बड़े देश में अपना शासन करने के लिए हम अपना प्रतिनिधि नहीं चुन सकते थे या कोई गंदा कानून लागू कर दिया जाता तो हम उसके विरुद्ध आवाज नहीं उठा सकते थे और हम अपनी राय स्वतंत्रतापूर्वक व्यक्त नहीं कर सकते थे ।

71. उपर्युक्त गद्यांश में प्रयुक्त 'स्पृहणीय' शब्द का अर्थ है –

(A) प्राप्त करने योग्य (B) प्राप्त की हुई

(C) त्याग करने योग्य (D) त्याग की हुई

72. उपर्युक्त गद्यांश में लेखक ने मुख्य रूप से बताया है कि

(A) आजादी में क्रांतिकारियों की विशेष भूमिका थी ।

(B) आजादी के संघर्ष में कृषकों का क्या योगदान था ।

(C) गुलाम देश की दशा कैसी थी ।

(D) महात्मा गाँधी के नेतृत्व में राष्ट्रीय आंदोलन कैसा था ।

UPSSSC PET 2026

73. उपर्युक्त गद्यांश के लेखक का उद्देश्य क्या था ?

(A) धार्मिक आस्थाओं और सद्‌व्यवहार को बढ़ावा देना ।

(B) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की विशेषता बताना ।

(C) अंग्रेजी राज्य के दोष गिनाना ।

(D) जनतांत्रिकता से हानि बताना ।

74. धर्मनिरपेक्षता से अभिप्राय है

(A) सभी धर्मों का आदर

(B) धर्म में हस्तक्षेप न करना

(C) धर्म की अवज्ञा

(D) किसी भी धर्म को न मानना

75. कैसे माना जाए कि हमारा स्वतंत्रता संग्राम जनतांत्रिक था ?

(A) यह महात्मा गाँधी के सद्‌व्यवहार और सदाचरण का प्रतीक था ।

(B) इसमें हिन्दू और मुसलमान सम्मिलित हुए थे ।

(C) यह स्वतंत्रता-प्रेमियों का आंदोलन था ।

(D) इसमें सभी जातियों, वर्गों, धर्मों के लोगों ने भाग लिया था ।

निर्देश : निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उस पर आधारित प्रश्नों **(76-80)** के उत्तर चुनिए :

विधाता-रचित इस सृष्टि का सिरमौर है मनुष्य । उसकी कारीगरी का सर्वोत्तम नमूना । इस मानव को ब्रह्माण्ड का लघु रूप मानकर भारतीय दार्शनिकों ने 'यत् पिण्डे तत् ब्रह्माण्डे' की कल्पना की थी । उनकी यह कल्पना मात्र कल्पना नहीं थी, प्रत्युत यथार्थ भी थी क्योंकि मानव-मन में जो विचारणा के रूप में घटित होता है, उसी का कृति रूप ही तो सृष्टि है । मन तो मन, मानव का शरीर भी अप्रतिम है । देखने में इससे भव्य, आकर्षक एवं लावण्यमय रूप सृष्टि में अन्यत्र कहाँ है ? अद्‌भुत एवं अद्वितीय है मानव-सौन्दर्य ! साहित्यकारों ने इसके रूप-सौन्दर्य के वर्णन के लिए कितने ही अप्रस्तुतों का विधान किया है और इस सौन्दर्य-राशि से सभी को आप्यायित करने के लिए अनेक काव्य सृष्टियाँ रच डाली हैं ।

साहित्यशास्त्रियों ने भी इसी मानव की भावनाओं का विवेचन करते हुए अनेक रसों का निरूपण किया है । परन्तु वैज्ञानिक दृष्टि से विचार किया जाए तो मानव-शरीर को एक जटिल यन्त्र से उपमित किया जा सकता है । जिस प्रकार यन्त्र के एक पुर्जे में दोष आ जाने पर सारा यन्त्र गड़बड़ा जाता है, बेकार हो जाता है उसी प्रकार मानव-शरीर के विभिन्न अवयवों में से यदि कोई एक अवयव भी बिगड़ जाता है तो उसका प्रभाव सारे शरीर पर पड़ता है । इतना ही नहीं, गुर्दे जैसे कोमल एवं नाजुक हिस्से के खराब हो जाने से यह गतिशील वपुयन्त्र एकाएक अवरुद्ध हो सकता है, व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है । एक अंग के विकृत होने पर सारा शरीर दण्डित हो, वह कालकवलित हो जाए – यह विचारणीय है ।

यदि किसी यन्त्र के पुर्जे को बदलकर उसके स्थान पर नया पुर्जा लगाकर यन्त्र को पूर्ववत सुचारु एवं व्यवस्थित रूप से क्रियाशील बनाया जा सकता है तो शरीर के विकृत अंग के स्थान पर नव्य निरामय अंग लगाकर शरीर को स्वस्थ एवं सामान्य क्यों नहीं बनाया जा सकता ? शल्य-चिकित्सकों ने इस दायित्वपूर्ण चुनौती को स्वीकार किया तथा निरन्तर अध्यवसाय पूर्णसाधना के अनन्तर अंग-प्रत्यारोपण के क्षेत्र में सफलता प्राप्त की । अंग-प्रत्यारोपण का उद्देश्य है कि मनुष्य दीर्घायु प्राप्त कर सके । यहाँ यह ध्यातव्य है कि मानव-शरीर हर किसी के अंग को उसी प्रकार स्वीकार नहीं करता, जिस प्रकार हर किसी का रक्त उसे स्वीकार्य नहीं होता । रोगी को रक्त देने से पूर्व रक्त-वर्ग का परीक्षण अत्यावश्यक है, तो अंग-प्रत्यारोपण से पूर्व ऊतक-परीक्षण अनिवार्य है । आज का शल्य-चिकित्सक गुर्दे, यकृत, आँत, फेफड़े और हृदय का प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक कर रहा है । साधन-सम्पन्न चिकित्सालयों में मस्तिष्क के अतिरिक्त शरीर के प्रायः सभी अंगों का प्रत्यारोपण सम्भव हो गया है ।

76. मानव को सृष्टि का लघु रूप माना गया है क्योंकि

(A) मानव-मन में जो घटित होता है, वही सृष्टि में घटित होता है ।

(B) मानव सृष्टि का सिरमौर है ।

(C) मन की शक्ति अपराजेय है ।

(D) लघु मानव ही विधाता की सच्ची सृष्टि है ।

77. वैज्ञानिक दृष्टि का अपेक्षाकृत अभाव होता है

(A) साहित्यकार में

(B) साहित्यशास्त्री में

(C) शल्य-चिकित्सक में

(D) वैज्ञानिक में

78. मानव शरीर को यन्त्रवत् कहा गया है क्योंकि

(A) मानव शरीर दृढ़ माँसपेशियों और अवयवों से निर्मित है ।

(B) मानव शरीर यन्त्र की भाँति लावण्यमय होता है ।

(C) अवयव रूपी पुर्जों के विकृत होने से शरीर यन्त्रवत् निष्क्रिय हो जाता है ।

(D) मानव शरीर विधाता की सृष्टि की अनुपम कृति है ।

79. शल्य-चिकित्सकों द्वारा स्वीकार की गई दायित्वपूर्ण चुनौती थी

(A) जीर्ण शरीर के स्थान पर स्वस्थ शरीर देना

(B) मानव-शरीर को मृत्यु से बचाना

(C) अंग-प्रत्यारोपण द्वारा शरीर को सामान्य बनाना

(D) शल्य-चिकित्सा का महत्त्व स्थापित करना

80. अनुच्छेद में प्रयुक्त 'निरामय' शब्द का पर्याय है

(A) सुन्दर (B) स्वस्थ

(C) अद्भुत (D) नवीन

निर्देश (81-85) : निम्नांकित रेखाचित्र में सीमेंट का विभिन्न वर्षों के दौरान उत्पादन (मिलियन टन में) दर्शाया गया है । इसका अध्ययन करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

Directions (81-85) : The following graph shows the production of cement in Million Tonnes during the various years. Study the same and answer the following questions correctly :

सीमेंट का उत्पादन

(मिलियन टन में)

Production of Cement

(In Million tonnes)

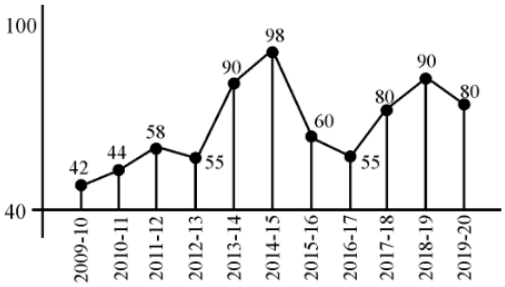

81. उत्पादन अधिकतम स्तर तक इस वर्ष घटा :

The production fell down to the maximum extent in the year :

(A) 2012-13 (B) 2015-16

(C) 2016-17 (D) 2019-20

82. उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष ________ के दौरान अधिकतम वृद्धि हुई ।

The increase in production was maximum during the year ________ over its previous year.

(A) 2013-14 (B) 2017-18

(C) 2014-15 (D) 2018-19

83. प्रथम तीन वर्ष दौरान औसत उत्पादन था

The average production during the first three years was :

(A) 44 MT (B) 46 MT

(C) 48 MT (D) 50 MT

Source screenshot · PDF page 12

UPSSSC PET 2022 · 15 Oct · Shift 1

Unseen Hindi passage analysis · 10 questions from this shift

69. What was the approximate percentage decline in the production of toys from 2013 to 2014?
2013 से 2014 तक खिलौनों के उत्पादन में लगभग प्रतिशत गिरावट कितनी थी?

(a) 15% (b) 10%
(c) 20% (d) 25%

Ans. (c) : अभीष्ट प्रतिशत गिरावट $= \frac{75-60}{75} \times 100$

$= \frac{15}{75} \times 100 = 20\%$

70. The average production of 2015 and 2016 was exactly equal to the average production of which of the following pair of years?
2015 और 2016 का औसत उत्पादन निम्नलिखित में से किस वर्षों के युग्म के औसत उत्पादन के बिलकुल बराबर था?

(a) 2014 and 2015/2014और 2015
(b) 2016 and 2017/2016और 2017
(c) 2012 and 2017/2012और 2017
(d) 2014 and 2016/2014और 2016

Ans. (c) : 2015 और 2016 का औसत उत्पादन $= \frac{80+65}{2} = \frac{145}{2}$ लाख

विकल्प से,

2014 और 2015 का औसत उत्पादन $= \frac{60+80}{2} = 70$ लाख

2016 और 2017 का औसत उत्पादन $= \frac{65+90}{2} = \frac{155}{2}$ लाख

2012 और 2017 का औसत उत्पादन $= \frac{55+90}{2} = \frac{145}{2}$ लाख

2014 और 2016 का औसत उत्पादन $= \frac{60+65}{2} = \frac{125}{2}$ लाख

अतः 2015 और 2016 का औसत उत्पादन 2012 और 2017 के औसत उत्पादन के बराबर था।

71. What was the approximate percentage increase in production of toys in 2018 compared to that in 2011?/2011 की तुलना में 2018 में खिलौनों के उत्पादन में लगभग प्रतिशत वृद्धि कितनी थी?

(a) 137.5% (b) 183.33%
(c) 128.35% (d) 111.11%

Ans. (a) : अभीष्ट वृद्धि $\% = \left(\frac{95-40}{40}\right) \times 100$

$= \frac{55}{40} \times 100 = 137.5\%$

72. The pietra dura or coloured stone inlay work on marble became very popular in the days of ..../संगमरमर पर पिएत्रा ड्यूरा (पित्रा-दुरा) या रंगीन पत्थर की जड़ाई का काम........के समय में बहुत लोकप्रिय हुआ।

(a) Akbar/अकबर
(b) Shahjahan/शाहजहाँ
(c) Aurangzeb/औरंगजेब
(d) None of these/इनमें से कोई नहीं

Ans. (b) : संगमरमर पर पिएत्रा ड्यूरा (पित्रा-दुरा) या रंगीन पत्थर की जड़ाई का काम सर्वप्रथम शाहजहाँ के समय में शुरू हुआ था। इस कला का महत्त्वपूर्ण उदाहरण ताजमहल तथा एतमादुद्दौला का मकबरा है।

73. In which of the following age copper was first used?/निम्नलिखित में से किस युग में ताँबे का पहली बार उपयोग किया गया था?

(a) Mesolithic Age/मध्यपाषाण युग
(b) Chalcolithic Age/ताम्रपाषाण युग
(c) Paleolithic Age/पुरापाषाण युग
(d) Neolithic Age/नवपाषाण युग

Ans. (b) : ताम्रपाषाण युग, नवपाषाण युग के बाद शुरू होता है। यह लगभग 2000 ईसा पूर्व से 1500 ईसा पूर्व के आस-पास कांस्य युग का ही एक भाग माना जाता है। इस काल में मनुष्य पत्थर के औजारों के साथ-साथ तांबे के औजार भी उपयोग करने लग गया था।

74. The first Buddhist Council was held at which among the following places?
निम्नलिखित में से किस स्थान पर प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन किया गया था?

(a) Kashmir/कश्मीर (b) Gaya/गया
(c) Rajgir/राजगीर (d) Pataliputra/पाटलिपुत्र

Ans. (c) : प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन 483 ई.पू. राजगीर में हुआ था। यह संगीति मगध सम्राट अजातशत्रु के काल में हुई थी। इसकी अध्यक्षता महाकश्यप ने की थी। द्वितीय बौद्ध संगीति वैशाली में, तृतीय बौद्ध संगीति पाटलिपुत्र में व चतुर्थ बौद्ध संगीति कुण्डलवन में हुई। अन्य तीन बौद्ध संगीतियों का आयोजन निम्न स्वरूप में है-

- द्वितीय बौद्ध संगीति 383 ई.पू. वैशाली में सबाकामी की अध्यक्षता में कालाशोक के शासनकाल में हुई।
- तृतीय बौद्ध संगीति 255 ई.पू. पाटलिपुत्र में मोग्गलिपुत्त तिस्स कि अध्यक्षता में तथा अशोक के शासनकाल में हुई थी।
- चतुर्थ बौद्ध संगीति प्रथम शताब्दी ई. में कुण्डलवन (कश्मीर) में वसुमित्र की अध्यक्षता में कनिष्क के काल में हुई।

75. Who among the following is the person whose name was also 'Devanampiya Piyadassi'?
निम्नलिखित में से कौन वह व्यक्ति हैं जिनका नाम 'देवानामपिय पियदस्सी' भी था?

(a) Mauryan Emperor Chandragupta
मौर्य सम्राट चंद्रगुप्त
(b) Mauryan Emperor Ashoka
मौर्य सम्राट अशोक
(c) Gautam Buddha/गौतम बुद्ध
(d) Lord Mahavir/भगवान महावीर

Ans. (b) : अशोक को उसके अभिलेखों में 'देवानांपिय' कहकर सम्बोंधित किया गया हैं। भाब्रू अभिलेख में उसे 'प्रियदर्शी' कहा गया हैं। उसके चार अभिलेखों में उसका नाम अशोक मिलता है। ये अभिलेख हैं – मास्की, गुर्जरा, नेतूर और उडेगोलम।

76. When the East India Company was established, India was ruled by whom among the following?
जब ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना हुई, तब भारत पर निम्नलिखित में से किसका शासन था?

Source screenshot · PDF page 11

UPSSSC PET 2022 · 15 Oct · Shift 2

Unseen Hindi passage analysis · 10 questions from this shift

दें, तो वे तुरंत प्रतिक्रियाशील हो जाते हैं। ग्रहणशीलता समाप्त होती जा रही है और जैसे वे चाहें वैसा करने की आजादी उन्हें चाहिए। अस्तु, येन-केन प्रकोरण बच्चे पढ़-लिखकर नौकरी पा जाते हैं या अपना काम संभाल लेते हैं। माता-पिता धीरे-धीरे बूढ़े होते जाते हैं। उनके द्वारा बचपन के प्यार से लेकर उस समय तक के त्याग और बलिदान उन्हीं के अपने बच्चों द्वारा भुला दिए जाते हैं। अब माँ-बाप बूढ़े और शक्तिहीन है और बच्चों पर बोझ। आज के बूढ़े माँ-बाप पिछली पीढ़ी के बूढ़े मां-बाप की तुलना में अधिक दयनीय से होते जा रहे हैं। उन्हीं के द्वारा पालित-पोषित बच्चे उन्हें अपने परिवार का सदस्य मन से स्वीकार नहीं कर रहे हैं। यही कारण है कि बुढ़ापे में या तो माँ-बाप अकेले रहते हैं और ये अपने ही घर में दीन-हीन से होकर बच्चों का मुँह ताकते हैं। पीढ़ियों के अंतराल से जीवन मूल्यों में तेजी से बदलाव हो रहा है। अच्छी भावना से भी यदि बूढ़े मां-बाप वयस्क बच्चों या उनके परिवार के विषय में कुछ सलाह देते हैं, तो उनकी सलाह का सम्मान नहीं होता। यह संभवतः पीढ़ियों के अंतराल का परिणाम है। अब समय बदल गया है और अनुभवपूर्ण सलाह की इस नई पीढ़ी को आवश्यकता नहीं है। अपेक्षा की जाती है कि यदि उन्हें साथ रहना है तो एडजस्ट करके चले, अन्यथा वृद्धाश्रम में हम-उम्र लोगों के बीच समय बिताएँ। खुद भी चैन से रहें और उन्हें भी अपनी तरह से चैन से रहने दें। क्या वास्तव में इस सबके लिए युवा पीढ़ी ही दोषी है या कुछ दोष वृद्धों का भी है?

71. आज के बुजुर्गों के लिए बदलते समय की कौन सी सर्वोचित मांग है जिससे वे चैन से अपना बुढ़ापा काट सकें?

(a) बुजुर्ग अपने हेकड़ी से भरे स्वभाव में बदलाव लाएँ।
(b) बुजुर्ग अपनी जुबान पर संयम रखें।
(c) बुजुर्ग अगली पीढ़ी से सम्मान की अपेक्षा नहीं रखें।
(d) बुजुर्ग बुढ़ापे के लिए कुछ अर्जित करके रखें और अगली पीढ़ी के सदस्यों पर न बोझ बनें और न अपनी राय थोपें।

Ans. (d) : उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार आज के बुजुर्गों के लिए बदलते समय की सर्वोचित मांग है कि बुजुर्ग बुढ़ापे के लिए कुछ अर्जित करके रखें और अगली पीढ़ी के सदस्यों पर न बोझ बनें और न अपनी राय थोपें, जिससे वे चैन से अपना बुढ़ापा काट सकें।

72. कौन से मां-बाप अपने ही घर में दीन-हीन से होकर बच्चों का मुंह नहीं ताकते हैं?

(a) इनमें से कोई नहीं
(b) जिनके पास अब आमदनी का कोई स्रोत नहीं है।
(c) जिनके बच्चे संस्कारहीन हैं और मां-बाप समझदार नहीं है।
(d) जो माता-पिता बदलते समय के साथ अपने आप को बदल लेते हैं और बहू-बेटों और उनके परिवार को उचित सम्मान देते हैं।

Ans. (d) : उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार जो माता-पिता बदलते समय के साथ अपने आप को बदल लेते हैं और बहू-बेटों और उनके परिवार को उचित सम्मान देते हैं, वे मां-बाप अपने ही घर में दीन-हीन से होकर बच्चों का मुंह नहीं ताकते हैं।

73. माता-पिता द्वारा प्यार-दुलार एवं समस्त संसाधनों के दिए जाने के बावजूद आज की युवा पीढ़ी से वह आत्मीयता गायब है, जो पुरानी पीढ़ी तक विद्यमान थी। इसका सबसे उचित कारण क्या हो सकता है?

(a) पीढ़ियों के अंतरण के कारण जीवन मूल्यों के बदलने से युवा पीढ़ी अदूरदर्शी और असहनशील होती जा रही है और उसकी ग्रहणशीलता कम होती जा रही है।
(b) आज के युवा स्वावलम्बी और स्वतंत्र रहना चाहते हैं। वे स्वयं की और परिवार और नौकरी/व्यवसाय की परेशानियों से जूझ रहे हैं।
(c) युवा पीढ़ी ने दूसरों के कष्टों के बारे में सोचना बंद कर दिया है।
(d) सभी युवा एक जैसे नहीं होते। कई युवा अभी भी पुराने लोगों को यथोचित सम्मान देते हैं।

Ans. (a) : उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार पीढ़ियों के अंतरण के कारण जीवन मूल्यों के बदलने से युवा पीढ़ी अदूरदर्शी और असहनशील होती जा रही है और उसकी ग्रहणशीलता कम होती जा रही है। यही कारण है कि माता-पिता द्वारा प्यार-दुलार एवं समस्त संसाधनों के दिए जाने के बावजूद आज की युवा पीढ़ी से वह आत्मीयता गायब है, जो पुरानी पीढ़ी तक विद्यमान थी।

74. संतान के साथ रहने की इच्छा होते हुए भी कई मां-बाप के अकेले रहने का कारण कौन सा है? सबसे सबल तर्क कौन सा है?

(a) इनमें से कोई नहीं
(b) मां-बाप का संतान और उसके परिवार के प्रति रूखा व्यवहार, वाणी का असंयम और बहू-बेटों की जिन्दगी में ज्यादा दखलंदाजी।
(c) मां-बाप का बीमार और लाचार होना और अपने द्वारा संतान पर किए अहसानों का लगातार गुणगान करते रहना।
(d) मां-बात की आर्थिक स्थिति अच्छी होना।

Ans. (b) : उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार मां-बाप का संतान और उसके परिवार के प्रति रूखा व्यवहार, वाणी का असंयम और बहू-बेटों की जिन्दगी में ज्यादा दखलंदाजी के कारण ही संतान के साथ रहने की इच्छा होते हुए भी कई मां-बाप अकेले रहते हैं।

75. कौन से बच्चे अपने माता-पिता को वृद्धाश्रम में भेज देने की बात करते हैं?

(a) जो मां-बाप बहू-बेटों के परिवार का सहारा बनकर रहते हैं और अपना अभिमत उन पर नहीं थोपते हैं।
(b) जिनके मां-बाप बच्चों और उनके परिवार को यथोचित सहारा और सम्मान देते हुए अपना जीवन शांति से बिताते हैं।
(c) जो बच्चे संस्कारहीन और अविवेकी हैं और जो अपने भविष्य को नहीं देख पाते।
(d) जिन माता-पिता द्वारा बच्चों को सही संस्कार दिए गए हैं और जो स्वयं संपन्न हैं।

Ans. (c) : उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार जो बच्चे संस्कारहीन और अविवेकी हैं और जो अपने भविष्य को नहीं देख पाते वे ही अपने माता-पिता को वृद्धाश्रम में भेज देने की बात करते हैं।

Source screenshot · PDF page 12

Q. Nos. 76 to 80 : Data for number of candidates appeared, qualified and selected in competitive examination from five districts over the years 2011 to 2015 is mentioned in table. Study the following table and answer the questions based on it.

प्र.सं. 76 से 80 : वर्ष 2011 से 2015 के दौरान पांच जिलों से प्रतियोगी परीक्षा में उपस्थित, उत्तीर्ण और चयनित उम्मीदवारों की संख्या के आंकड़े तालिका में उल्लिखित हैं। निम्न तालिका का अध्ययन करें और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें।

	District A/जिला A			District B/जिला B		
Year वर्ष	App/ उपस्थित	Qual उत्तीर्ण	Sel चयनित	App उपस्थित	Qual उत्तीर्ण	Sel चयनित
2011	8000	850	94	7800	810	82
2012	4800	500	48	7500	800	65
2013	7500	640	82	7400	560	70
2014	9500	850	90	8800	920	86
2015	9000	800	70	7200	850	75

	District C/जिला C			District D/जिला D		
Year वर्ष	App/ उपस्थित	Qual उत्तीर्ण	Sel चयनित	App उपस्थित	Qual उत्तीर्ण	Sel चयनित
2011	7500	720	78	8200	680	85
2012	5600	620	85	6800	600	70
2013	4800	400	48	6500	525	65
2014	7000	650	70	7800	720	84
2015	8500	950	80	5700	485	60

	District E/जिला E		
Year वर्ष	App उपस्थित	Qual उत्तीर्ण	Sel चयनित
2011	6400	700	75
2012	7100	650	75
2013	5200	350	55
2014	6400	540	60
2015	4500	600	75

76. **For which district, the average number of candidates selected over the years is the minimum?/किस जिले के लिए विगत वर्षों में चयनित उम्मीदवारों की औसत संख्या न्यूनतम है?**

(a) District E/जिला E (b) District A/जिला A
(c) District C/जिला C (d) District D/जिला D

Ans. (a) : जिला A में चयनित उम्मीदवार = 384
जिला D में चयनित उम्मीदवार = 364
जिला C में चयनित उम्मीदवार = 361
जिला E में चयनित उम्मीदवार = 340
जिसका योग सबसे कम होगा, उसका औसत भी सबसे कम होगा। अतः जिले E में चयनित उम्मीदवारों की औसत संख्या सबसे कम है।

77. **The percentage of candidates selected from District C over those qualified from District C is highest in the year/जिला C से चयनित उम्मीदवारों का प्रतिशत जिला C से उत्तीर्ण उम्मीदवारों की तुलना में किस वर्ष में सबसे अधिक है?**

(a) None of these/इनमें से कोई नहीं
(b) 2011
(c) 2012
(d) 2013

Ans. (c) : 2011 के लिए $=\frac{78}{720}\times100=10.833\%$

2012 के लिए $=\frac{85}{620}\times100=13.70\%$

2013 के लिए $=\frac{48}{400}\times100=12\%$

2014 के लिए $=\frac{70}{650}\times100=10.76\%$

2015 के लिए $=\frac{80}{950}\times100=8.421\%$

अतः जिला C में चयनित उम्मीदवारों का प्रतिशत जिला C से उत्तीर्ण उम्मीदवारों की तुलना में वर्ष 2012 के लिए सार्वधिक है।

78. **The percentage of candidates qualified from District D over those appeared from District D is lowest in which year?/जिला D से उत्तीर्ण उम्मीदवारों का प्रतिशत जिला D से उपस्थित होने वालों की तुलना में किस वर्ष में सबसे कम है?**

(a) None of these/इनमें से कोई नहीं
(b) 2012
(c) 2013
(d) 2014

Ans. (c) : वर्ष 2011 के लिए $=\frac{680}{8200}\times100=8.29\%$

वर्ष 2012 के लिए $=\frac{600}{6800}\times100=8.82\%$

वर्ष 2013 के लिए $=\frac{525}{6500}\times100=8.07\%$

वर्ष 2014 के लिए $=\frac{720}{7800}\times100=9.23\%$

वर्ष 2015 के लिए $=\frac{485}{5700}\times100=8.50\%$

अतः जिला D में उत्तीर्ण उम्मीवारों का प्रतिशत जिला D में उपस्थित होने वाले की तुलना में वर्ष 2013 में सबसे कम है।

79. **In the year 2011, which district had the highest percentage of candidates selected over the candidates appeared?/वर्ष 2011 में, किस जिले में उपस्थित उम्मीदवारों की तुलना में चयनित उम्मीदवारों का प्रतिशत सबसे अधिक था?**

(a) None of these/इनमें से कोई नहीं
(b) District A/जिला A
(c) District C/जिला C
(d) District E/जिला E

Source screenshot · PDF page 13

Ans. (b) :

जिला A में चयनित उम्मीदवार $= \frac{94}{8000} \times 100 = 1.175\%$

जिला B में चयनित उम्मीदवार $= \frac{82}{7800} \times 100 = 1.0512\%$

जिला C में चयनित उम्मीदवार $= \frac{78}{7500} \times 100 = 1.04\%$

जिला D में चयनित उम्मीदवार $= \frac{85}{8200} \times 100 = 1.036\%$

जिला E में चयनित उम्मीदवार $= \frac{75}{6400} \times 100 = 1.171\%$

अतः जिला A में चयनित उम्मीदवारों का प्रतिशत अधिक था।

80. The number of candidates selected from District E during the period under review is approximately what percent of the number of selected candidates from District A during this period?/समीक्षाधीन अवधि के दौरान जिला E से चयनित उम्मीदवारों की संख्या इस अवधि के दौरान जिला A से चयनित उम्मीदवारों की संख्या का लगभग कितना प्रतिशत है?

(a) None of these/इनमें से कोई नहीं
(b) 68.79%
(c) 72.31%
(d) 88.54%

Ans. (d) : प्रश्नानुसार,

$\frac{340}{384} \times 100 = 88.54\%$

Q. Nos. 81 to 85 Study the table and answer the following questions.
प्र.सं. 81 से 85 : तालिका का अध्ययन करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।

Number of products sold by 5 companies during 5 months/5 महीनों के दौरान 5 कंपनियों द्वारा बेचे गए उत्पादों की संख्या

Month महीना	Company/कंपनी				
	P	Q	R	S	T
January जनवरी	130	80	155	85	75
February फरवरी	155	110	88	110	90
March मार्च	180	130	115	100	120
April अप्रैल	160	145	240	140	165
May/मई	140	120	130	100	165

81. What is the ratio of the total number of products sold by company P and R in March to the total number of products sold by the same company in April?
मार्च में कंपनी P और R द्वारा बेचे गए उत्पादों की कुल संख्या का अप्रैल में उन्हीं कंपनियों द्वारा बेचे गए उत्पादों की कुल संख्या से अनुपात कितना है?

(a) 59 : 80 (b) 12 : 17
(c) 40 : 95 (d) 16 : 19

Ans. (a) : मार्च तथा अप्रैल में कंपनी P और R द्वारा बेचे गए उत्पादों की कुल संख्या का अनुपात =

(P+R) मार्च : (P+R) अप्रैल
(180+115) : (160+240)
295 : 400
59 : 80

82. The number of products sold by company S approximately increased by what percent from January to April?
कंपनी S द्वारा बेचे गए उत्पादों की संख्या में जनवरी से अप्रैल तक लगभग कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई?

(a) 76.7% (b) 62.9%
(c) 64.71% (d) 72.31%

Ans. (c) : कंपनी S द्वारा बेचे गए उत्पादों में वृद्धि

$= \frac{140-85}{85} \times 100 = 64.71\%$

83. Out of the total number of products sold by company T in March, April and May together, 32% were made of mild steel. What was the total number of mild steel products sold by store T in March, April and May together?
कंपनी T द्वारा मार्च, अप्रैल और मई में बेचे गए उत्पादों की कुल संख्या में से, 32% माइल्ड स्टील से बने थे। मार्च, अप्रैल और मई में स्टोर T द्वारा बेचे गए माइल्ड स्टील उत्पादों की कुल संख्या कितनी थी?

(a) None of these/इनमें से कोई नहीं
(b) 144
(c) 150
(d) 155

Ans. (b) : कंपनी T द्वारा मार्च, अप्रैल और मई में बेचे गए उत्पाद = 120 + 165 + 165 = 450

माइल्ड स्टील से बना $= \frac{450 \times 32}{100} = 144$

84. What is the average number of products sold by company P, S and T in February? (Approximate)
फरवरी में कंपनी P, S और T द्वारा बेचे गए उत्पादों की औसत संख्या कितनी है? (अनुमानित)

(a) 120 (b) 112
(c) 116 (d) 118

Ans. (d) : फरवरी में कंपनी P, S और T द्वारा बेचे गए उत्पादों की औसत संख्या का औसत $= \frac{155+110+90}{3}$

$= \frac{355}{3} = 118$

Source screenshot · PDF page 14

UPSSSC PET 2022 · 16 Oct · Shift 1

Unseen Hindi passage analysis · 10 questions from this shift

70. What was the approximate percentage decline in the production of mobile from 2003 to 2004?
2003 से 2004 तक मोबाइल के उत्पादन में लगभग प्रतिशत गिरावट कितनी थी?

(a) 21% (b) 27%
(c) 23% (d) 29%

Ans. (c) : 2003 से 2004 तक उत्पादन में गिरावट
$= 65 - 50 = 15$

प्रतिशत कमी $= \frac{15}{65} \times 100$

$= 23.07 \approx 23\%$

71. In which year the percentage increase in production as compared to the previous year was the maximum?
पिछले वर्ष की तुलना में किस वर्ष उत्पादन में प्रतिशत वृद्धि सबसे अधिक थी?

(a) 2002 (b) 2005
(c) 2003 (d) 2007

Ans. (a) : 2002 में प्रतिशत वृद्धि $= \frac{45-30}{30} \times 100 = 50\%$

2003 में प्रतिशत वृद्धि $= \frac{65-45}{45} \times 100$

$= 44.45\%$

2005 में प्रतिशत वृद्धि $= \frac{70-50}{50} \times 100 = 40\%$

2007 में प्रतिशत वृद्धि $= \frac{80-55}{55} \times 100 = 45.45\%$

अतः 2002 में प्रतिशत वृद्धि सबसे अधिक है।

72. In how many of the given years was the production of mobiles more than the average production of the given years?
दिए गए कितने वर्षों में मोबाइल का उत्पादन दिए गए वर्षों के औसत उत्पादन में अधिक था?

(a) 1 (b) 3
(c) 2 (d) 4

Ans. (d) : मोबाइल का औसत उत्पादन

$= \frac{30+45+65+50+70+55+80+85}{8} = \frac{480}{8} = 60$

औसत उत्पादन से अधिक उत्पादन वाले वर्ष = 2003, 2005, 2007, 2008
कुल वर्ष = 4

73. What was the approximate percentage increase in production of mobile in 2008 compared to that in 2001?
2001 की तुलना में 2008 में मोबाइल के उत्पादन में अनुमानित प्रतिशत वृद्धि कितनी थी?

(a) 166.67% (b) 195%
(c) 183.33% (d) 200%

Ans. (c) : 2001 की तुलना में 2008 के उत्पादन में वृद्धि
$= 85 - 30 = 55$

वृद्धि प्रतिशत $= \frac{55}{30} \times 100$

$= 183.33\%$

Q. No. 74 to 78 : There are five companies and we have been given the number of employees working in different companies. In the table we have also been given the percentage of male and female employees in account and research……………..
प्रश्न सं. 74 से 78 : हमें विभिन्न पाँच कंपनियाँ और इन कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या दी गई है। तालिका में हमे लेखा एवं अनुसंधान में कार्यरत पुरुष एवं महिला कर्मचारियों का प्रतिशत भी दिया गया है।

कंपनी/ Company	कर्मचारी/ Employees	लेखा/ Account		शोध/ Research	
		पुरुष / Male	महिलाएँ / Female	पुरुष / Male	महिलाएँ / Female
A	450	12	14	9	7
B	700	19	10	11	13
C	550	28	14	4	7
D	600	31	9	6	4
E	350	12	18	3	7

74. If 60% of the employees of company E in account department have MBA degree and 40% of the employees of the same company in the research department have MBA degree, then how many employees have MBA degree in company E?
यदि लेखा विभाग में कंपनी E के 60% कर्मचारियों के पास MBA की डिग्री है और अनुसंधान विभाग में उसी कंपनी के 40% कर्मचारियों के पास MBA की डिग्री है, तो कंपनी E में कितने कर्मचारियों के पास MBA की डिग्री है?

(a) 92 (b) 77
(c) 106 (d) 66

Ans. (b) : कम्पनी E के लेखा विभाग में कुल कर्मचारी

$= 350 \times \frac{(12+18)}{100} = 105$

MBA धारक $= 105 \times \frac{60}{100} = 63$

कम्पनी E के अनुसंधान विभाग में कुल कर्मचारी $= 350 \times \frac{(3+7)}{100}$

$= 35$

MBA धारक $= 35 \times \frac{40}{100} = 14$

कम्पनी में कुल MBA धारक कर्मचारियों की संख्या
$= 63 + 14 = 77$

75. The total number of account employees of company A is approximately what percent more than the total number of research employees of company E?
कंपनी A के लेखा कर्मचारियों की कुल संख्या कंपनी E के अनुसंधान कर्मचारियों की कुल संख्या से लगभग कितने प्रतिशत अधिक है?

(a) 231.21% (b) 234.29%
(c) 238.54% (d) 228.67%

Ans. (b) : कम्पनी A के लेखा कर्मचारियों की कुल संख्या

$= 450\times\frac{(12+14)}{100} = 117$

कम्पनी E के अनुसंधान कर्मचारियों की कुल संख्या

$= 350\times\frac{(3+7)}{100} = 35$

वृद्धि प्रतिशत $= \frac{117-35}{35}\times100 = 234.29\%$

76. What is the ratio of the male employees in account department of company A and C together to the female employees of research department in company B and D together?
कंपनी A और C दोनों के लेखा विभाग में कार्यरत कुल पुरुष कर्मचारियों का कंपनी B और D दोनों के अनुसंधान विभाग में कार्यरत कुल महिला कर्मचारियों से अनुपात कितना है?

(a) 208 : 115
(b) 27 : 187
(c) 43 : 188
(d) None of these/इनमें से कोई नहीं

Ans. (a) : कम्पनी A के लेखा विभाग के पुरुष $= 450\times\left(\frac{12}{100}\right)$

$= 54$

कम्पनी C के लेखा विभाग के पुरुष $= 550\times\frac{28}{100} = 154$

कम्पनी A तथा C के लेखा विभाग के कुल पुरुष $= 54 + 154$
$= 208$

कम्पनी B के अनुसंधान विभाग की महिला $= 700\times\frac{13}{100} = 91$

कम्पनी D के अनुसंधान विभाग के महिला $= 600\times\frac{4}{100} = 24$

कम्पनी B तथा D के अनुसंधान विभाग की कुल महिला
$= 91 + 24 = 115$
अभीष्ट अनुपात $= 208 : 115$

77. What is the difference between the number of female employees of account department in all companies together (excluding company D) and the male employees of research department in all companies together (excluding company A and E)?
सभी कंपनियों (कंपनी D को छोड़कर) में लेखा विभाग की महिला कर्मचारियों की कुल मिलाकर संख्या और सभी कंपनियों (कंपनी A और E को छोड़कर) में अनुसंधान विभाग के पुरुष कर्मचारियों की कुल मिलाकर संख्या के बीच का अंतर कितना है?

(a) 128
(b) 142
(c) 138
(d) None of these/इनमें से कोई नहीं

Ans. (c) :
कम्पनी D को छोड़कर लेखा विभाग की कुल महिला कर्मचारी

$= A+B+C+E \Rightarrow 450\times\frac{14}{100}+700\times\frac{10}{100}+550\times\frac{14}{100}+350\times\frac{18}{100}$

$= 63 + 70 + 77 + 63 = 273$

कम्पनी A और E को छोड़कर अनुसंधन विभाग के पुरूष कर्मचारी

$= B+C+D \Rightarrow 700\times\frac{11}{100}+550\times\frac{4}{100}+600\times\frac{6}{100}$

$= 77 + 22 + 36 = 135$

अभीष्ट अन्तर $= 273 - 135 = 138$

78. What is the ratio of the number of female employees of company B in account department to the number of male employees of company C in research department?
लेखा विभाग में कंपनी B की महिला कर्मचारियों की संख्या का अनुसंधान विभाग में कंपनी C के पुरुष कर्मचारियों की संख्या से अनुपात कितना है?

(a) 5 : 2
(b) 13 : 4
(c) 35 : 11
(d) 4 : 13

Ans. (c) : लेखा विभाग में कम्पनी B की महिला कर्मचारियों की संख्या $= 700\times\frac{10}{100} = 70$

अनुसंधान विभाग में कम्पनी C के पुरुष कर्मचारियों की संख्या

$= 550\times\frac{4}{100}$

$= 22$

अभीष्ट अनुपात $= 70 : 22$

$= 35 : 11$

Q. Nos. 79 to 83 : The following table gives the percentage distribution of population of five states A, B, C, D and E on the basis of poverty line and also on the basis of sex.
प्रश्न सं. 79 से 83 : निम्न तालिका गरीबी रेखा और लिंग के आधार पर पाँच राज्यों, A, B, C, D ओर E की जनसंख्या का प्रतिशत वितरण देती है।

राज्य/ State	गरीबी रेखा के नीचे की जनसंख्या का प्रतिशत/Percentage of Population below the Poverty Line	पुरुषों एवं महिलाओं का अनुपात/Proportion of Males and Females	
		पु./M : म./F	पु./M : म./F
A	30	5 : 6	6 : 7
B	20	3 : 5	4 : 5
C	25	1 : 2	2 : 3
D	20	3 : 2	4 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

79. What will be the number of females above the poverty line in the state D, if it is known that the populationof state d is 7 million?
राज्य D में गरीबी रेखा से ऊपर आने वाली महिलाओं की संख्या क्या होगी, यदि यह ज्ञात हो कि राज्य D की जनसंख्या 7 मिलियन है?

(a) 2.4 million/2.4 मिलियन
(b) 3 million/3 मिलियन
(c) 1.3 million/1.3 मिलियन
(d) 3.6 million/3.6 मिलियन

Source screenshot · PDF page 12

UPSSSC PET 2022 · 16 Oct · Shift 2

Unseen Hindi passage analysis · 10 questions from this shift

64. The Fundamental Duties are mentioned in which among the following?
निम्न में से किसमें मौलिक कर्तव्यों को उल्लेखित किया गया है?

(a) Part-IV A/भाग –IV क
(b) Schedule IV-A/अनुसूची IV-क
(c) Part-III/भाग-III
(d) Part-IV/भाग-IV

Ans. (a) :

भाग	प्रावधान
भाग-II	- नागरिकता
भाग-III	- मौलिक अधिकार
भाग-IV	- नीति निदेशक तत्त्व
भाग –IV क	- मौलिक कर्त्तव्य

65. Article 343 of Indian Constitution is about :
भारतीय संविधान का अनुच्छेद-343 किसके बारे में है?

(a) The President of India/भारत के राष्ट्रपति
(b) Official language of the Union/संघ की राजभाषा
(c) Special address by the Governor
राज्यपाल द्वारा विशेष संबोधन
(d) Constitution of Parliament/संसद का संविधान

Ans. (b) : भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा का प्रावधान किया गया है। अनुच्छेद-343 संघ की राजभाषा से सबंधित है। संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी है। राज्य की भाषाएँ अनुच्छेद 345 में है।

66. Write the name of Article which defines the Money Bill.
निम्न में से कौन-सा अनुच्छेद ''धन विधेयक' को परिभाषित करता है?

(a) Article 110/अनुच्छेद 110
(b) None of these/इनमें से कोई नहीं
(c) Article 112/अनुच्छेद 112
(d) Article 111/अनुच्छेद 111

Ans. (a) : अनुच्छेद 110 ''धन विधेयक'' को परिभाषित करता है। किसी विधेयक के बारे में विवाद उठने पर कि धन विधेयक है अथवा नहीं, लोकसभा के अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होता है। धन विधेयक केवल लोकसभा में प्रस्तुत किया जा सकता है।

67. Which of the following is not among the seven colours of the rainbow?
निम्न में से कौन सा इन्द्रधनुष के सात रंगों में से एक रंग नहीं है?

(a) Blue/नीला (b) White/सफेद
(c) Orange/नारंगी (d) Violet/बैंगनी

Ans. (b) : पूर्ण आन्तरिक परावर्तन और अपवर्तन द्वारा वर्ण विक्षेपण की परिघटना को इन्द्रधनुष कहते हैं। यह दो प्रकार का होता है-प्राथमिक इन्द्रधनुष तथा द्वितीय इन्द्रधनुष। सफेद रंग इन्द्रधनुष के सात रंगों में सम्मिलित नहीं है। इन्द्रधनुष के सात रंग-लाल, नारंगी, पीला, हरा, नीला, जामुनी और बैंगनी है।

68. Which of the following gases is not known as greenhouse gas? / निम्न में से किस गैस को ग्रीनहाउस गैस के रूप में नहीं जाना जाता है?

(a) Methane/मेथेन
(b) Argon/आर्गन
(c) Carbon dioxide/कार्बन डाई ऑक्साइड
(d) Nitrous oxide/नाइट्रस ऑक्साइड

Ans. (b) : आर्गन गैस को ग्रीनहाउस गैस के रूप में नहीं जाना जाता है। ग्रीन हाउस गैस ग्रह के वातावरण या जलवायु में परिवर्तन और अंततः भूमंडलीय उष्मीकरण के लिए उत्तरदायी होती है। इनमें सबसे ज्यादा उत्सर्जन कार्बन डाई ऑक्साइड, नाइट्रस ऑक्साइड, मेथेन, क्लोरो-फ्लोरा कार्बन, जल वाष्प, ओजोन आदि करती है।

69. Washing Soda is the common name for :
वाशिंग सोडा किसका प्रचलित नाम है?

(a) Calcium carbonate/कैल्शियम कार्बोनेट
(b) Potassium carbonate/पोटैशियम कार्बोनेट
(c) Sodium carbonate/सोडियम कार्बोनेट
(d) Magnesium carbonate/मैग्नीशियम कार्बोनेट

Ans. (c) : वाशिंग सोडा सोडियम कार्बोनेट का प्रचलित नाम हैं इसका सूत्र Na_2CO_3 है। सोडियम कार्बोनेट एक अकार्बनिक यौगिक है। इसका उपयोग काँच, साबुन एवं कागज उद्योगों में होता है।

70. Which among the following is the correct age of retirement of Judge of Supreme Court?
निम्न में से कौन सी सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की सेवा-निवृत्ति की सही आयु है?

(a) 65 years/65 वर्ष (b) 58 years/58 वर्ष
(c) 60 years/60 वर्ष (d) 62 years/62 वर्ष

Ans. (a) : सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष है और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के लिए 62 वर्ष है। सर्वोच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश हीरा लाल जे. कानिया थे। सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना 28 जनवरी 1950 को हुई थी। इससे पूर्व इसकी स्थापना संघीय न्यायालय के रूप में 1935 में हुई थी।

71. Where do plants receive their nutrients mainly from?
पौधे अपने पोषक तत्व मुख्यतः कहाँ से प्राप्त करते हैं?

(a) Chlorophyll/क्लोरोफिल
(b) None of these/इनमें से कोई नहीं
(c) Light/प्रकाश
(d) Soil/मिट्टी

Ans. (d) : पौधे मुख्य रूप से मृदा से अपने पोषक तत्व प्राप्त करते हैं। pH महत्वपूर्ण कारक है जो पौधों को आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्धता को प्रभावित करता है। पोटैशियम पोषक तत्वों को जल्दी से अवशोषित करने के लिए जड़ों को मिट्टी में गहराई से प्रवेश करने में मदद करता है। फॉस्फेट, पोटैशियम और जिंक प्रसार के परिणामस्वरूप बढ़ने वाले मुख्य पोषक तत्व आयन है।

72. $(6.25 - 2.23) \times (3.35 - 2.23) + (0.0016 - 2.987) =$

(a) 1.317 (b) 1.617
(c) 1.517 (d) 1.417

Source screenshot · PDF page 11

Ans. (c) :
(6.25 – 2.23) × (3.35 – 2.23) + (0.0016 – 2.987)
= (4.02) × (1.12) + (–2.9854)
= 4.5024 – 2.9854
= 1.517

73. One-third of Manoj's savings in Kisan Vikas Patra is equal to one-half of his savings in Public Provident Fund. If he has Rs. 1,50,000 as total savings. How much has he saved in Public Provident Fund?
किसान विकास पत्र में मनोज की बचत का एक तिहाई हिस्सा, पब्लिक प्रोविडेंट फंड में उसकी बचत के आधे के बराबर है। यदि उसके पास कुल बचत के रूप में ₹ 1,50,000 हैं, तो उसने पब्लिक प्रोविडेंट फंड में कितने की बचत की है?

(a) Rs. 20,000/₹ 20,000
(b) Rs. 60,000/₹ 60,000
(c) Rs. 80,000/₹80,000
(d) Rs. 45,000/₹45,000

Ans. (b) :
$$\frac{\text{किसान विकास पत्र में बचत}}{3} = \frac{\text{पब्लिक प्रोविडेंट फंड में बचत}}{2}$$
$$\frac{\text{किसान विकास पत्र में बचत}}{\text{पब्लिक प्रोविडेंट फंड में बचत}} = \frac{3}{2}$$
अतः पब्लिक प्रोविडेंट फंड में बचत $= 150,000 \times \frac{2}{5}$
= ₹60,000

74. The average of 7 consecutive numbers is 20. The largest of these numbers is :
7 क्रमिक संख्याओं का औसत 20 है। इन संख्याओं में से सबसे बड़ी संख्या है:

(a) 25 (b) 24
(c) 23 (d) 18

Ans. (c) : माना सात क्रमिक संख्याएँ इस प्रकार है-
x, x + 1, x + 2, x + 3, x + 4, x + 5 और x + 6
प्रश्नानुसार,
$$\frac{x + x + 1 + x + 2 + x + 3 + x + 4 + x + 5 + x + 6}{7} = 20$$
7x + 21 = 140
7x = 119
x = 17
अतः सबसे बड़ी संख्या = x + 6 = 17 + 6 = 23

75. Ozone hole refers to :
ओजोन होल (Hole) किससे संबंधित है?

(a) Increase in density in ozone layer
ओजोन परत में घनत्व में वृद्धि से।
(b) None of these/इनमें से कोई नहीं
(c) Decrease in thickness of ozone layer in stratosphere/समताप मंडल में ओजोन परत की मोटाई में कमी से
(d) Increase in the ozone layer in troposphere.
क्षोभ मंडल में ओजोन परत में वृद्धि से।

Ans. (c) : ओजोन ऑक्सीजन का एक विशेष रूप है जिसका रासायनिक सूत्र O_3 है। यह समताप मण्डल में स्थित है। पृथ्वी की सतह से 10 से 30 किमी. की ऊँचाई पर इसकी सान्द्रता अधिक होती है। पृथ्वी पर बढ़ते ग्रीन हाउस गैसों के कारण ओजोन परत में छिद्र हो रहा है जिससे समताप मंडल में ओजोन परत की मोटाई में कमी हो रही है। ओजोन परत सूर्य से आने वाली हानिकारक किरणों (पराबैंगनी किरणों) को अवशोषित करती है, इसलिए ओजोन परत को पृथ्वी का सुरक्षा कवच कहा जाता है।

76. $\sqrt{9+4\sqrt{5}} =$

(a) $2+\sqrt{5}$ (b) $\sqrt{2}+5$
(c) $\sqrt{5}+3$ (d) $\sqrt{2}+5$

Ans. (a) : $= \sqrt{9+4\sqrt{5}}$
$= \sqrt{5+4+2\sqrt{5}\times\sqrt{4}}$
$= \sqrt{\left(\sqrt{5}+\sqrt{4}\right)^2}$
$= \sqrt{5}+2$

77. ''धरेश'' का सही संधि विच्छेद है-

(a) धराः + अश (b) धरा + इश
(c) धरा + ईश (d) धर + ईश

Ans. (c) : 'धरेश' का सही संधि विच्छेद है- धरा + ईश।
यह गुण संधि का उदाहरण है।
यदि पूर्व पद के अंत में 'अ' अथवा 'आ' हो तथा पर पद के शुरू में 'इ' अथवा 'ई' हो तो दोनों मिलकर 'ए' हो जाते हैं।
जैसे- धरा + ईश = धरेश
गण + ईश = गणेश

78. समश्रुत शब्द 'अलि-अली' शब्द युग्म का सही अर्थ क्या है?

(a) कंधा-हिस्सा (b) दसन-दर्शन
(c) दमन-दामन (d) भौंरा-सखी

Ans. (d) :

समश्रुत शब्द	**अर्थ**
अलि-अली-	भौंरा-सखी
अंस-अंश -	कंधा-हिस्सा
दमन-दामन -	दबाना-साड़ी का किनारा
दसन-दर्शन -	दांत-देखना

79. ''नागर'' का पर्यायवाची शब्द है-

(a) नगर (b) देवनागरी
(c) चतुर (d) ढोल

Ans. (c) : दिये गये विकल्पों में ''नागर'' का पर्यायवाची शब्द 'चतुर' है। नागर के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं- विज्ञ, दक्ष, निपुण कुशल, प्रवीण, पटु आदि।

80. ''संन्यासी'' का विलोम शब्द है-

(a) संतापी (b) इनमें से कोई नहीं
(c) गृहस्थ (d) विरक्त

Ans. (c) : ''संन्यासी'' का विलोम शब्द 'गृहस्थ' है जबकि 'विरक्त' का विलोम 'अनुरक्त' होता है।

Source screenshot · PDF page 12

UPSSSC PET 2023 · 28 Oct · Shift 1

Unseen Hindi passage analysis · 10 questions from this shift

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (प्र. सं. 71 – 75)

समाज की विषमता शोषण की जननी है । समाज में जितनी विषमता होगी, सामान्यतया शोषण उतना ही अधिक होगा । चूँकि हमारे देश में सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक व सांस्कृतिक असमानताएँ अधिक हैं जिसकी वजह से एक व्यक्ति एक स्थान पर शोषक तथा वही दूसरे स्थान पर शोषित होता है । जब बात उपभोक्ता संरक्षण की हो तब पहला प्रश्न यह उठता है कि उपभोक्ता किसे कहते हैं ? या उपभोक्ता की परिभाषा क्या है ? सामान्यतः उस व्यक्ति या व्यक्ति समूह को उपभोक्ता कहा जाता है जो सीधे तौर पर किन्हीं भी वस्तुओं अथवा सेवाओं का उपयोग करते हैं । इस प्रकार सभी व्यक्ति किसी-न-किसी रूप में उपभोक्ता होते हैं और शोषण का शिकार होते हैं ।

हमारे देश में ऐसे अशिक्षित, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से दुर्बल अशक्त लोगों की भीड़ है जो शहर की मलिन बस्तियों में, फुटपाथ पर, सड़क तथा रेलवे लाइन के किनारे, गंदे नालों के किनारे झोंपड़ी डालकर अथवा किसी भी अन्य तरह से अपना जीवन-यापन कर रहे हैं । वे दुनिया के सबसे बड़े प्रजातांत्रिक देशों की समाजोपयोगी ऊर्ध्वमुखी योजनाओं से वंचित हैं, जिन्हें आधुनिक सफ़ेदपोशों, व्यापारियों, नौकरशाहों एवं तथाकथित बुद्धिजीवी वर्ग ने मिलकर बाँट लिया है । सही मायने में शोषण इन्हीं की देन है । सरकार कितनी भी योजनाएँ बना कर लागू करे, कोई बड़ा परिवर्तन संभव नहीं है ।

उपभोक्ता शोषण का तात्पर्य केवल उत्पादकता व व्यापारियों द्वारा किए गए शोषण से ही लिया जाता है जबकि इसके क्षेत्र में वस्तुएँ एवं सेवाएँ दोनों ही सम्मिलित हैं, जिनके अंतर्गत डॉक्टर, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस, ऊँचे ओहदों पर बैठे सरकारी कर्मचारी, वकील आदि सभी आते हैं । इन सबने शोषण के क्षेत्र में जो कीर्तिमान बनाए हैं वे वास्तव में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज कराने लायक हैं । कानून के हाथ कितने भी लम्बे हों, इन सभी तक नहीं पहुँच सकते क्योंकि रक्षक जब भक्षक बन जाए तो कौन बचाए ? भ्रष्टाचार सभी की जड़ों में पहुँचा हुआ है – ऊपर से नीचे या नीचे से ऊपर । क्या कभी इन लोगों के अच्छे दिन आएँगे ?

दूसरी ओर किसी तरह अपनी इज़्ज़त-आबरू बचाता मध्यम वर्ग है जो न तो किसी पार्टी के वोट बैंक में है और न ज्यादा पढ़ा-लिखा संपन्न । न सरकार उसकी परेशानियों को समझती है और न कोई अन्य राजनैतिक पार्टी । जिनको सरकारी पेंशन नहीं मिलती, ऐसे बड़े-बूढ़े लाचार लोगों की स्थिति और भी ख़राब है । न तो उनकी संस्कार-विहीन संतान उनका ध्यान रखने को तैयार है और न सरकार उनके लिए कुछ सोच पा रही है । क्या इस विषमता को हटाने की दिशा में कोई कदम उठाया जा रहा है ? क्या पढ़े-लिखे नौजवानों को उपयुक्त रोज़गार दिए जाने की दिशा में कुछ हो रहा है ? क्या होगा इस देश का, भगवान ही जानता है ।

71. हमारे देश में समाजोपयोगी ऊर्ध्वमुखी योजनाओं से वंचित वर्ग कौन सा है ?

मलिन बस्तियों, फुटपाथ, सड़क तथा रेलवे लाइन के किनारे झोंपड़ी डालकर रहने वाले अशिक्षित, दुर्बल और अशक्त लोगों का वर्ग

72. लेखक के अनुसार शोषण का शिकार कौन लोग होते हैं ?

वस्तु एवं सेवाओं का उपयोग करने वाला उपभोक्ता समूह

73. समाज के मध्यम वर्ग की कौन सी समस्या है ?

जीवन-यापन में आर्थिक परेशानी से सामाजिक प्रतिष्ठा पर खतरा

74. समाजोपयोगी ऊर्ध्वमुखी योजनाओं से वंचित वर्ग के शोषण के लिए कौन उत्तरदायी हैं ?

राजनेता, व्यापारी वर्ग, सरकारी तंत्र एवं तथाकथित बुद्धिजीवी वर्ग

75. 'शैक्षणिक' और 'सांस्कृतिक' शब्द किस व्याकरणिक इकाई से सम्बंधित हैं और किस प्रत्यय से मिलकर बने हैं ?

विशेषण और विशेषण शब्द –इक प्रत्यय

Provisional Answers

Source screenshot · PDF page 12

UPSSSC PET 2026

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए **(प्र. सं. 76-80)**

भारत प्राचीन संस्कृति का देश है । यहाँ दान पुण्य को जीवन–मुक्ति का अनिवार्य अंग माना गया था । जब दान देने को धार्मिक कृत्य मान लिया गया तो निश्चित तौर पर दान लेने वाले भी होंगे । हमारे समाज में भिक्षावृत्ति की ज़िम्मेदारी समाज के धर्मात्मा, दयालु व सज्जन लोगों की है । भारतीय समाज में दान लेना व दान देना–दोनों धर्म के अंग माने गए हैं । पहले दान देने से पूर्व दान लेने वाले की पात्रता देखी जाती थी और योग्य पात्र को दान दिया जाता था । धर्मशास्त्रों ने दान की महिमा का बढ़ा–चढ़ाकर वर्णन किया जिसके कारण भिक्षावृत्ति को भी धार्मिक मान्यता मिल गई । धीरे–धीरे दान–दाताओं ने पात्रता पर ध्यान देना बंद कर दिया और दयावश निरीह, अपाहिज और गरीबों को दान दिया जाने लगा ।

शनैः–शनैः समाज में और मूल्यों में बदलाव आया और अधिकतर लोग गरीबों, ब्राह्मणों और भिखारियों को दान का पात्र समझने लगे । समाज में जब इस प्रकार के परिवर्तन हुए तो धीरे–धीरे लोगों ने भिक्षा को अपनी जीविका ही बना लिया । गरीबी के कारण बेसहारा लोग भीख माँगने लगे । काम न मिलने से भी भिक्षावृत्ति को बल मिला और पूजा–स्थल, तीर्थ, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, गली–मुहल्ले आदि स्थानों पर हर जगह भिखारी दिखाई देने शुरू हो गए । इस कार्य में हर आयु के व्यक्ति शामिल होने लग गए । साल–दो साल के दूध मुँहे बच्चे से लेकर अस्सी–नब्बे वर्ष के बूढ़े तक को भीख माँगते देखा जा सकता है । आज तो भीख माँगने का भी एक कलापूर्ण व्यवसाय बनता जा रहा है ।

कुछ खानदानी भिखारी होते हैं क्योंकि पुश्तों से उनके पूर्वज धर्मस्थानों पर अपना अड्डा जमाए हुए हैं । कुछ अपराधी बच्चों को उठा ले जाते हैं तथा उनसे भीख मँगवाते हैं । वे इतने निर्दय होते हैं कि भीख माँगने के लिए बच्चों का अंग–भंग भी कर देते हैं । कुछ भिखारी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हैं जो देश में छोटी–सी विपत्ति आ जाने पर भीख का कटोरा लेकर भ्रमण के लिए निकल जाते हैं । इसके अलावा अनेक श्रेणी के और भी भिखारी होते हैं । कुछ भिखारी परिस्थिति से बनते हैं तो कुछ बना दिए जाते हैं । कुछ शौकिया भी इस व्यवसाय में आ गए हैं । जन्मजात भिखारी अपने स्थान निश्चित रखते हैं । कुछ भिखारी अपनी आमदनी वाली जगह दूसरे भिखारी को किराए पर देते हैं । बेरोजगारी और गरीबी के कारण कुछ वयोवृद्ध मज़बूरीवश भिखारी बनते हैं । गरीबी के कारण बेसहारा लोग भीख माँगने लगते हैं । काम न मिलना भी भिक्षावृत्ति को जन्म देता है । कुछ अपराधी बाकायदा इस काम की ट्रेनिंग देते हैं । भीख रोकर, गाकर, आँखें दिखाकर या हँसकर भी माँगी जाती है । भीख माँगने के लिए इतना आवश्यक है कि दाता के मन में करुणा जगे । अपंगता, कुरूपता, अशक्तता, वृद्धावस्था आदि देखकर दाता करुणामय होकर भीख देने के लिए बाध्य हो जाता है ।

क्या भिक्षावृत्ति देश की एक समस्या नहीं है ? गरीबों और निर्बलों को छोड़कर कई पढ़े–लिखे और हट्टे–कट्टे भी इस वृत्ति को अपनाए हुए हैं । क्या सरकार को इस दिशा में कुछ करने की आवश्यकता नहीं है ? क्या हम लोग इन भिखारियों को करुणावश भीख दे रहे हैं ? थोड़ा सोचिए, क्या हम भी इस वृत्ति को बढ़ावा तो नहीं दे रहे हैं । अगर दान ही करना है तो गरीबों को पुस्तकें, पाठ्य–सामग्री दें । गरीबों और बीमारों को दवाएँ और अस्पताल की सुविधाएँ दिलाएँ । इन लोगों को भीख के स्थान पर रोजगार की व्यवस्था कराएँ । नकद देना बंद करें । भीख माँगने वालों को खाना खिलाएँ पर कभी उन्हें नकद पैसे न दें । अगर जनता और सरकार दोनों मिलकर काम करें और भीख माँगने वालों को पुलिस के हवाले करना शुरू कर दें, तो इस पर काबू पाया जा सकता है ।

76. क्या भिक्षावृत्ति देश की एक समस्या है ? आपका इस विषय में क्या विचार है ?

भिक्षावृत्ति देश की एक ज्वलंत समस्या बन गई है क्योंकि लोग इसको जानबूझकर अपना व्यवसाय बना रहे हैं ।

77. विभिन्न स्थलों पर लोग भीख देने के लिए क्यों बाध्य हो जाते हैं ?

अपंगता, कुरूपता, अशक्तता, वृद्धावस्था आदि देखकर लोग भीख देने के लिए बाध्य हो जाते हैं ।

78. भीख न देकर भी दूसरों की मदद करने के लिए कौन सा विकल्प सही नहीं है ?

पैसे देकर किसी भिखारी को रोजगार–धंधे के लिए प्रेरित करके मदद करना ।

Provisional Answers

Unseen Hindi passage analysis · 10 questions from this shift

https://sscstudy.com/

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (प्र. 71-75)

आज किसी भी व्यक्ति का सबसे अलग एक टापू की तरह जीना संभव नहीं रह गया है। भारत में विभिन्न पंथों और विविध मत-मतांतरों के लोग साथ-साथ रह रहे हैं। ऐसे में यह अधिक ज़रूरी हो गया है कि लोग एक-दूसरे को जानें; उनकी ज़रूरतों को, उनकी इच्छाओं-आकांक्षाओं को समझें उन्हें तरजीह दें और उनके धार्मिक विश्वासों, पद्धतियों, अनुष्ठानों को सम्मान दें। भारत जैसे देश में यह और भी अधिक ज़रूरी है, क्योंकि यह देश किसी एक धर्म, मत या विचारधारा का नहीं है। स्वामी विवेकानंद इस बात को समझते थे और अपने आचार-विचार में अपने समय से बहुत आगे थे। उनका दृढ़ मत था कि विभिन्न धर्मों-संप्रदायों के बीच संवाद होना ही चाहिए। वे विभिन्न धर्मों-संप्रदायों की अनेकरूपता को जायज़ और स्वाभाविक मानते थे। स्वामी जी विभिन्न धार्मिक आस्थाओं के बीच सामंजस्य स्थापित करने के पक्षधर थे और सभी को एक ही धर्म का अनुयायी बनाने के विरुद्ध थे। वे कहा करते थे, "यदि सभी मानव एक ही धर्म को मानने लगें, एक ही पूजा-पद्धति को अपना लें और एक-सी नैतिकता का अनुपालन करने लगें, तो यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात होगी, क्योंकि यह सब हमारे धार्मिक और आध्यात्मिक विकास के लिए प्राणघातक होगा तथा हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से काट देगा"। हमें सभी धर्म-संप्रदाय-पंथ-विचारों के लोगों को और उनकी विचारधाराओं और उपासना पद्धतियों को उचित सम्मान देना चाहिए। किसी भी व्यक्ति को चाहे वह किसी जाति-धर्म और भाषा से सम्बंधित है, प्रकृति ने समान बनाया है। सभी मनुष्यों में एक ही परमात्मा का वास है। जागतिक विकास की दृष्टि से कोई पिछड़ा हो सकता है। यदि कोई पिछड़ा हुआ है तो उसे अपने साथ ले लेने से मानवता खिल उठती है।

71. गद्यांश के अनुसार धर्म-सम्प्रदायों के विषय में विवेकानंद का विचार था कि

सभी धर्म समान हैं और धर्म-सम्प्रदायों की अनेकरूपता जायज़ और स्वाभाविक है।

72. हमारे धार्मिक और आध्यात्मिक विकास के लिए क्या प्राणघातक होगा ?

भारत जैसे देश में किसी एक धर्म का पालन।

73. मानवता कब खिल उठती है ?

जब पिछड़ों को सहारा दिया जाता है।

74. 'आध्यात्मिक' शब्द में क्रमशः उपसर्ग, मूल शब्द और प्रत्यय हैं ?

अधि + आत्म + इक

75. 'स्वामी विवेकानंद इस बात को समझते थे और अपने आचार-विचार में अपने समय से बहुत आगे थे।' वाक्य का प्रकार है

संयुक्त वाक्य

Provisional Answers

https://sscstudy.com/

https://sscstudy.com/

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (प्र. 76-80)

इस रत्नगर्भा वसुंधरा के अंत:स्थल में हीरे–मणि– माणिक्य और सम्पदा का अभाव नहीं है । धरती का विस्तीर्ण अतल गर्भ अनंत धनराशि से भरा पड़ा है । आवश्यकता है, इसके वक्ष को चीरकर उन्हें उगलवा लेने वाले दृढ़ संकल्प और साहस की । धरती के अंदर विद्यमान धनराशि के कारण ही धरती वसुंधरा कहलाती है । इस धरा पर रहने वाले कुछ लोग ऐसा मानते हैं कि यदि भाग्य में नहीं है तो हथेली पर आई वस्तु भी नष्ट हो जाती है । जब हम अपना चिंतन केवल भाग्यवाद को आधार मानकर करते हैं, तो हम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपेक्षित प्रयत्न नहीं करते । प्रयत्न के अभाव में फल भी नहीं मिलता और लोग भाग्य को दोष देते रहते हैं । ऐसे भाग्यवादी लोगों को कायर माना जाता है । अकूत सम्पदा तो उसी को मिल सकती है जो पूर्ण संकल्प के साथ कार्य में प्रवृत्त हो । जैसे अर्जुन का ध्यान पक्षी की बेधे जाने वाली आँख पर था, उसी प्रकार जो लक्ष्य के प्रति एकनिष्ठ होकर सतत प्रयासशील रहता है, समय के परिपाक के साथ उस लक्ष्य को पाने में सफल हो जाता है । ऐसे लोग जो भाग्य के सहारे बैठे रहते हैं और प्रतीक्षा करते रहते हैं कि अली बाबा की सिम–सिम वाली गुफा का द्वार कब खुलता है, उन्हें जब असफलता का अँधेरा अपने चारों ओर घिरता दिखाई देता है, तब वे पछतावा करते हैं कि उन्होंने व्यर्थ ही समय गँवा दिया । मनुष्य के पास सभी कुछ पा लेने की क्षमता होती है, पर कैसे उसे पाया जाएगा उसके लिए संपूर्ण–निर्णयशक्ति, दृढ़ संकल्प और अपेक्षित परिश्रम आवश्यक है । कई बार लक्ष्य के एकदम समीप पहुँच कर हम प्रयत्न करना छोड़ देते हैं और भाग्य को दोष देते हैं । भाग्य जैसी कोई वस्तु या तो होती ही नहीं है और या परिश्रम की चाबी के साथ मिलकर भाग्य की चाबी काम करती है । भाग्य की अकेली चाबी सफलता के ताले को नहीं खोल सकती । इसीलिए कवि तुलसीदास ने कहा है – कायर मन कर एक अधारा । दैव दैव आलसी पुकारा ॥

76. जब हम अपना चिंतन केवल भाग्यवाद को आधार मानकर करते हैं तब क्या होता है ?

हम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपेक्षित प्रयत्न नहीं करते हैं और असफल होते हैं ।

77. जीवन में भाग्य का फल किसको मिलता है ?

जो परिश्रम की चाबी के साथ भाग्य की चाबी मिलाकर सफलता का ताला खोलने का प्रयास करते हैं ।

78. गद्यांश में कायर किसको माना गया है ?

जो अपेक्षित परिश्रम से डरकर भाग्य का आश्रय ले ।

79. भाग्य को कौन लोग दोष देते रहते हैं ?

जो प्रयत्न के अभाव में फल न मिल पाने के कारण बचाव का बहाना खोजते हैं ।

80. 'परिश्रम' शब्द कौन सी व्याकरणिक इकाई है ?

संज्ञा

Provisional Answers

https://sscstudy.com/

Unseen Hindi passage analysis · 10 questions from this shift

https://sscstudy.com/

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **(प्र. 71-75)**

हमारे बाल्यकाल के संस्कार ही जीवन का ध्येय निर्धारित करते हैं, अतः यदि शैशव में हमारी संतान ऐसे व्यक्तियों की छाया में ज्ञान प्राप्त करेगी, जिनमें चरित्र तथा सिद्धांत की विशेषता नहीं है, जिनमें संस्कारजनित अनेक दोष हैं, तो फिर उनके चरित्र पर भी उसी की छाप पड़ेगी और भविष्य में उनके ध्येय भी उसी के अनुसार स्वार्थमय तथा अस्थिर होंगे । शिक्षा एक ऐसा कर्तव्य नहीं है जो किसी पुस्तक को प्रथम पृष्ठ से अंतिम पृष्ठ तक पढ़ाने से ही पूर्ण हो जाता हो, वरन् वह ऐसा कर्तव्य है जिसकी परिधि सारे जीवन को घेरे हुए है और पुस्तकें ऐसे साँचे हैं जिनमें ढालकर उसे सुडौल बनाया जा सकता है ।

आत्मनिर्भरता का अर्थ है – अपने ऊपर निर्भर रहना । जो व्यक्ति दूसरे के मुँह को नहीं ताकते वे ही आत्मनिर्भर होते हैं । वस्तुतः आत्मविश्वास के बल पर कार्य करते रहना आत्मनिर्भरता है । आत्मनिर्भरता का अर्थ है – समाज, निज तथा राष्ट्र की आवश्यकताओं की पूर्ति करना । व्यक्ति, समाज तथा राष्ट्र में आत्मविश्वास की भावना, आत्मनिर्भरता का प्रतीक है । स्वावलंबन जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी है । सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलंबी अवश्य होना चाहिए । स्वावलंबन व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता–प्राप्ति का महामंत्र है । स्वावलंबन जीवन का अमूल्य आभूषण है, वीरों तथा कर्मयोगियों का इष्टदेव है । सर्वांगीण उन्नति का आधार है ।

जब व्यक्ति स्वावलंबी होगा, उसमें आत्मनिर्भरता होगी, तो ऐसा कोई कार्य नहीं जिसे वह न कर सके । स्वावलंबी मनुष्य के सामने कोई भी कार्य आ जाए, वह अपने दृढ़ विश्वास से, अपने आत्मबल से उसे अवश्य ही पूर्ण कर लेगा । स्वावलंबी मनुष्य जीवन में कभी भी असफलता का मुँह नहीं देखता । वह जीवन के हर क्षेत्र में निरंतर कामयाब होता जाता है । सफलता तो स्वावलंबी मनुष्य की दासी बनकर रहती है । जिस व्यक्ति का स्वयं अपने आप पर ही विश्वास नहीं, वह भला क्या कर पाएगा ? परंतु इसके विपरीत जिस व्यक्ति में आत्मनिर्भरता होगी, वह कभी किसी के सामने नहीं झुकेगा । वह जो करेगा सोच समझकर धैर्य से करेगा । मनुष्य में सबसे बड़ी कमी स्वावलंबन का न होना है । सबसे बड़ा गुण भी मनुष्य की आत्मनिर्भरता ही है ।

71. जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी कौन सी है ?

आत्मनिर्भर बनना ।

72. शैशव के शिक्षकों का बच्चे पर क्या असर पड़ता है ?

शिक्षकों के चरित्र के गुण–दोष सहज ही बच्चे में आ जाते हैं ।

73. सर्वांगीण सफलता–प्राप्ति का महामंत्र लेखक के अनुसार क्या है ?

आत्मनिर्भरता और आत्मबल

74. 'स्वार्थमय' तथा 'अस्थिर' शब्दों के विलोम रूप क्रमशः किस विकल्प में हैं ?

निःस्वार्थ – गतिहीन

75. "सफलता", "कार्य" और "आत्मनिर्भरता" शब्दों के लिंग क्रमशः हैं

स्त्रीलिंग, पुल्लिंग और स्त्रीलिंग

Provisional Answers

https://sscstudy.com/

https://sscstudy.com/

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **(प्र.76 – 80)**

मृत्युंजय और संघमित्र की मित्रता पाटलिपुत्र के जन-जन की जानी बात थी । मृत्युंजय जन-जन द्वारा 'धन्वंतरि' की उपाधि से विभूषित वैद्य थे और संघमित्र समस्त उपाधियों से विमुक्त 'भिक्षु' । मृत्युंजय चरक और सुश्रुत को समर्पित थे, तो संघमित्र बुद्ध के संघ और धर्म को । प्रथम का जीवन की संपन्नता और दीर्घायुष्य में विश्वास था तो द्वितीय का जीवन के निराकरण और निर्वाण में । दोनों ही दो विपरीत तटों के समान थे, फिर भी उनके मध्य बहने वाली स्नेह-सरिता उन्हें अभिन्न बनाए रखती थी ।

यह आश्चर्य है, जीवन के उपासक वैद्यराज को उस निर्वाण के लोभी के बिना चैन ही नहीं था, पर यह परम आश्चर्य था कि समस्त रोगों को मलों की तरह त्यागने में विश्वास रखने वाला भिक्षु भी वैद्यराज के मोह में फँस अपने निर्वाण को कठिन से कठिनतर बना रहा था । वैद्यराज अपनी वार्ता में संघमित्र से कहते-निर्वाण (मोक्ष) का अर्थ है – आत्मा का मृत्यु पर विजय । संघमित्र हँसकर कहते-देह द्वारा मृत्यु पर विजय मोक्ष नहीं है । देह तो अपने आप में व्याधि है ।

तुम देह की व्याधियों को दूर करके कष्टों से छुटकारा नहीं दिलाते, बल्कि कष्टों के लिए अधिक सुयोग जुटाते हो । देह व्याधि से मुक्ति तो भगवान की शरण में है । वैद्यराज ने कहा – मैं तो देह को भगवान के समीप जीते ही बने रहने का माध्यम मानता हूँ । पर दृष्टियों का यह विरोध उनकी मित्रता के मार्ग में कभी बाधक नहीं हुआ । दोनों अपने कोमल हास और मोहक स्वर से अपने-अपने विचारों को प्रस्तुत करते रहते ।

76. देह-व्याधि के निराकरण के बारे में संघमित्र का क्या विचार था ?

संघमित्र देह व्याधि से मुक्ति भगवान की शरण से मानते थे ।

77. संघमित्र और मृत्युंजय के विषय में कौन सा विकल्प सही है ?

मित्र होते हुए भी उन दोनों के जीवन सिद्धांत विपरीत थे ।

78. जीवन की संपन्नता और दीर्घायुष्य में किसका विश्वास था ?

मृत्युंजय का

79. "आत्मा का मृत्यु पर विजय ही मोक्ष है" ऐसा किसका मानना है ?

मृत्युंजय का

80. व्याधि और सुयोग शब्दों में क्रमशः प्रयुक्त उपसर्ग हैं

वि और सु

Provisional Answers

https://sscstudy.com/

68. झोटी चिता और मुरुजा फर्श और दीवारों पर सुंदर पैटर्न बनाने की सफेद कला हैं । यह भारत के निम्नलिखित में से किस राज्य की कला है ?

ओडिशा

Jhoti Chita and Muruja are white art to create beautiful patterns on the floor and walls. It is an art form of which of the following states in India ?

Odisha

69. भारत के महान त्रिकोणमितीय सर्वेक्षण का काम 10 अप्रैल, 1802 को मद्रास में शुरू हुआ जब मद्रास देशांतर से संबंधित एक आधारभूत माप किया गया था । वर्तमान में मद्रास वेधशाला को किस नाम से जाना जाता है ?

भारतीय खगोल–भौतिकी संस्थान

The work of the Great Trigonometrical Survey of India commenced at Madras on April 10, 1802 when a baseline measurement related to the Madras longitude was made. Currently that Madras Observatory is known by which name ?

Indian Institute of Astrophysics

70. निम्नलिखित में से कौन सा भारत का पहला DBOT (डिज़ाइन, निर्माण, संचालन और हस्तांतरण) मॉडल आउटडोर स्टेडियम है ?

स्पोर्ट्स हब, तिरुवनंतपुरम

Which among the following is India's first DBOT (Design, Build, Operate and Transfer) model outdoor stadium ?

The Sports Hub, Thiruvananthapuram

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (प्र. 71-75)

मेरे एक मित्र हैं, बड़े विद्वान, स्पष्टवादी और नीतिमान । वह इस राज्य के बहुत प्रतिष्ठित नागरिक हैं । उनसे मिलने से सदा नयी स्फूर्ति मिलती है । यद्यपि वह अवस्था में मुझसे छोटे हैं, तथापि मुझे सदा सम्मान देते हैं । इस देश में यह एक अच्छी बात है कि सब प्रकार से हीन होकर भी यदि कोई उम्र में बड़ा हो, तो थोड़ा-सा आदर पा ही जाता है । मैं भी पा जाता हूँ । मेरे इस मित्र की शिकायत थी कि देश की दुर्दशा देखते हुये भी मैं कुछ कह नहीं रहा हूँ, अर्थात् इस दुर्दशा के लिये जो लोग जिम्मेदार हैं उनकी भर्त्सना नहीं कर रहा हूँ । यह एक भयंकर अपराध है । कौरवों की सभा में भीष्म ने द्रौपदी का भयंकर अपमान देखकर भी जिस प्रकार मौन धारण किया था, वैसे ही कुछ मैं और मेरे जैसे कुछ अन्य साहित्यकार चुप्पी साधे हैं । भविष्य इसे उसी तरह क्षमा नहीं करेगा जिस प्रकार भीष्म पितामह को क्षमा नहीं किया गया । मैं थोड़ी देर तक अभिभूत होकर सुनता रहा और मन में पापबोध का भी अहसास हुआ । सोचता रहा, कुछ करना चाहिये, नहीं तो भविष्य क्षमा नहीं करेगा । वर्तमान ही कौन क्षमा कर रहा है ? काफी देर तक मैं परेशान रहा–चुप रहना ठीक नहीं है, कम्बख्त भविष्य कभी माफ नहीं करेगा । उसकी सीमा भी तो कोई नहीं है । पाँच हजार वर्ष बीत गये और अब तक बेचारे भीष्म पितामह को क्षमा नहीं किया गया । भविष्य विकट असहिष्णु है । काफी देर बाद भ्रम दूर हुआ । मैं भीष्म नहीं हूँ । अगर हिन्दी में लिखनेवाला कोई भीष्म हो जाता हो, तो भी मुझे कौन पूछता है ? बहुत ज्ञानी-गुणी भरे पड़े हैं । मुझसे अवस्था में, ज्ञान में, प्रतिभा में बहुत आगे । मुझे कोई डर नहीं है । 'भविष्य' नामक महादुरन्त अज्ञात मुझे किसी गिनती में लेने वाला नहीं है । डरना हो तो वे ही लोग डरें, जिनकी गिनती हो सकती है । तुम क्यों घबराते हो, मनसाराम, तुम तो न तीन में, न तेरह में, बड़ी राहत मिली इस यथार्थबोध से ।

71. लेखक की परेशानी का क्या कारण था ?

लेखक और उनके जैसे साहित्यकारों को भविष्य कभी क्षमा नहीं करेगा जैसे भीष्म को आज तक क्षमा नहीं किया गया ।

Provisional Answers

Source screenshot · PDF page 12

72. भीष्म पितामह को क्षमा क्यों नहीं किया गया ?

कौरवों की सभा में भीष्म ने द्रौपदी का भयंकर अपमान देखकर भी मौन धारण किया था ।

73. लेखक को किस यथार्थबोध से राहत मिली ?

लेखक भीष्म नहीं थे और उनसे अवस्था में, ज्ञान में, प्रतिभा में बहुत आगे बहुत से ज्ञानी–गुणी लोग भरे पड़े हैं, उन्हें भविष्य नामक महादुरंत जंतु से डरना चाहिए ।

74. 'न तीन में, न तेरह में' मुहावरे का कौन सा अर्थ ठीक लगता है ?

किसी भी गिनती में न आना ।

75. 'भर्त्सना' का क्या तात्पर्य है ?

निंदा और तिरस्कार

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (प्र. 76-80)

राष्ट्र केवल ज़मीन का टुकड़ा ही नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत होती है जो हमें अपने पूर्वजों से परंपरा के रूप में प्राप्त होती है । जिसमें हम बड़े होते हैं, शिक्षा पाते हैं और साँस लेते हैं–हमारा अपना राष्ट्र कहलाता है और उसकी पराधीनता व्यक्ति की परतंत्रता की पहली सीढ़ी होती है । ऐसे ही स्वतंत्र राष्ट्र की सीमाओं में जन्म लेने वाले व्यक्ति का धर्म, जाति, भाषा या संप्रदाय कुछ भी हो, आपस में स्नेह होना स्वाभाविक है । राष्ट्र के लिए जीना और काम करना, उसकी स्वतंत्रता तथा विकास के लिए काम करने की भावना राष्ट्रीयता कहलाती है ।

जब व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति से धर्म, जाति, कुल आदि के आधार पर व्यवहार करता है तो उसकी दृष्टि संकुचित हो जाती है । राष्ट्रीयता की अनिवार्य शर्त है-देश को प्राथमिकता, भले ही हमें 'स्व' को मिटाना पड़े । महात्मा गांधी, तिलक, सुभाषचन्द्र बोस आदि के कार्यों से पता चलता है कि राष्ट्रीयता की भावना के कारण उन्हें अनगिनत कष्ट उठाने पड़े किंतु वे अपने निश्चय में अटल रहे । व्यक्ति को निजी अस्तित्व कायम रखने के लिए पारस्परिक सभी सीमाओं की बाधाओं को भुलाकर कार्य करना चाहिए तभी उसकी नीतियाँ-रीतियाँ राष्ट्रीय कही जा सकती हैं ।

जब-जब भारत में फूट पड़ी, तब-तब विदेशियों ने शासन किया । चाहे जातिगत भेदभाव हो या भाषागत-तीसरा व्यक्ति उससे लाभ उठाने का अवश्य यत्न करेगा । आज देश में अनेक प्रकार के आंदोलन चल रहे हैं । कहीं भाषा को लेकर संघर्ष हो रहा है तो कहीं धर्म या क्षेत्र के नाम पर लोगों को निकाला जा रहा है जिसका परिणाम हमारे सामने है । आदमी अपने अहं में सिमटता जा रहा है । फलस्वरूप राष्ट्रीय बोध का अभाव परिलक्षित हो रहा है । यदि हमारे राजनेता अपने स्वार्थ के लिए संस्कृति के इस मूल सन्देश को भूलकर देश की जनता को गलत दिशा देंगे, तब-तब देश के अंदर अस्थिरता, फूट, अंतर्विरोध, गृह-युद्ध जैसे हालात जन्म लेंगे और इसका फ़ायदा अन्य बाहरी देशों को होगा ।

अतएव एक जागरूक नागरिक के रूप में हमें इस बात को गहराई से समझते हुए तुच्छ मतभेदों को त्यागकर अपने मत का सदुपयोग करना चाहिए, जिससे चुने गए हमारे प्रतिनिधि राष्ट्र के लिए निर्माणात्मक दिशा दे सकें । जाति, भाषा और धर्म से ऊपर उठकर और नेताओं के भाषणों से प्रभावित हुए बिना हमें विवेकपूर्वक देश के उत्थान में अपना सहयोग देना चाहिए ।

76. व्यक्ति की दृष्टि कब संकुचित हो जाती है ?

जब व्यक्ति धर्म, जाति, कुल आदि को प्रमुख मानने लगता है ।

Provisional Answers

Source screenshot · PDF page 13